खोजकर लाती हैं, मैंने मंत्री जी को कई बार पत्र भी लिखे हैं, जवाब में आश्वासन भी मिलता है, मगर स्थिति में सुधार नहीं होता है।

महोदय, हिन्दी देश की संविधान द्वारा स्वीकृत राजभाषा है। सरकारी जहाजों में इसकी उपेक्षा कर देश की राजभाषा का अपमान और अनादर किया जा रहा है। इसके लिए जवाबदेह अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाही होनी चाहिए। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार द्वारा संसद के समक्ष राष्ट्र गौरव अपमान निवारण विधेयक, 2005 को पारित कराने के बाद यह सुनिश्चित करे कि सरकार राजभाषा की उपेक्षा, अनादर और अपमान करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाही करेगी तथा भविष्य में समाचार पत्रों/पत्रिकाओं की आवश्यकतानुसार आपूर्ति करेगी। धन्यवाद।

Need to take effective measures to stop Migration from Rural to Urban Areas in the country particularly from the Hilly States

श्री हरीश रावत (उत्तरांचल): सर, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन एक बड़ी राष्ट्रव्यापी समस्या है। नए राज्य उत्तरांचल में यह समस्या अधिक गंभीर हो गई है। राज्य के पर्वतीय अंचलों से शहरों की ओर पलायन की गति लगातार बढ़ रही है। इन अंचलों के गांवों में बड़ी संख्या में लोग खेती-बाड़ी छोड़ रहे है। पर्वतीय अंचलों में पहले से ही खेती पिछड़ी हुई थी। जंगली जानवरों विशेषत: सुअरों व बंदरों के बढ़ते हुए आतंक ने इन क्षेत्रों में खेती को पूर्णत: अनुपयोगी बना दिया है। गांवों में लोगों के पास वैकल्पिक आजीविका के साधन उपलब्ध नहीं हैं। परिणामस्वरुप जंगलों और पर्यटक स्थलों पर जनसंख्या का दबाव बढ़ रहा है। यदि पलायन की इस स्थिति को रोकने के लिए तत्काल उपाय नहीं किए गए, तो राज्य में पर्यावरण संतुलन तथा जनसंख्या संतुलन गंभीर रुप से दुष्प्रभावित होगा।

केन्द्रीय योजना आयोग को पर्वतीय कृषि को उपयोगी बनाने के उपायों पर एक गंभीर पहल प्रारम्भ करनी चाहिए और इस हेतु हिलएग्रोनोमी के विशेषज्ञों की समिति गठित कर उसे तात्कालिक व दीर्घकालिक उपाय ढूंढने का दायित्व सौंपा जाना चाहिए और राज्य सरकार को इस दिशा में प्रोग्राम प्रारम्भ करने के लिए पर्याप्त आर्थिक मदद दी जानी चाहिए।

उपसभाध्यक्ष (श्री दत्ता मेघे): सदन की कार्यवाही 2:30 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch at eleven minutes past two of the clock.

The House re-assesmbled after lunch at thirty-four minutes past two of the clock, MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

Supplementary demadns for grants (General), 2005-06 (Second Batch)

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (General) for the year 2005-06 (Second Batch).

PRIVATE MEMBERS' BILLS

The Constitution (Amendment) Bill, 2005 (to amend article 276)

SHRI K. B. KRISHNAMURTHY (Karnataka): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI K.B. KRISHNA MURTHY: Sir, I introduce the Bill.

The girls (free and compulsory education) Bill, 2005

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for free and compulsory education to every girl child whose parents are living below poverty line.

The question was put and the motion was adopted.

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, I introduce the Bill.

The constitution (Amendment) Bill, 2005 (to amend articles 124 and 217)

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

The question was put and the motion was adopted.

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, I introduce the Bill.